25-02-2023

विधि आयोग के कार्यकाल में वृद्धि

समाचार पत्रों में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 22वें विधि आयोग का कार्यकाल डेढ़ वर्ष बढ़ाये जाने को बुधवार को मंजूरी दे दी। इस आयोग को अप्रासंगिक कानूनों की पहचान करने एवं उन्हें निरस्त करने की सिफारिश करने का दायित्व दिया गया था। सरकारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

त्वरित मुद्दा?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 22 वें विधि आयोग की अवधि 31 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दी है।
- 22वें विधि आयोग का गठन 2020 में तीन वर्ष की अवधि के लिए किया गया था।
- विधि आयोग वर्तमान में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार कर रहा है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- विधि आयोग, केंद्र सरकार द्वारा गठित एक गैर-सांविधिक निकाय है ।इसे एक तदर्थ निकाय के रूप में संदर्भित किया जा सकता है, जिसका गठन किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए किया जाता है।
- विधि आयोग, कानून और न्याय मंत्रालय के सलाहकार निकाय के रूप में काम करता है।
- इसका लक्ष्य समाज में न्याय को सुलभ बनाने और विधि के शासन के तहत सुशासन को बढ़ावा देने के लिये कानूनों में सुधार का सुझाव देना है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

विधि आयोग की महत्वपूर्ण सिफारिशें

- चुनाव सुधारों पर विधि आयोग की 170वीं रिपोर्ट, 1999 में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का सुझाव दिया गया था।
- विधि आयोग ने अपनी 262 वीं रिपोर्ट में आतंकवाद से संबंधित अपराधों और राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ने को छोड़कर अन्य सभी अपराधों के लिए मौत की सजा को समाप्त करने की सिफारिश की थी।

- विधि आयोग के विचारार्थ विषयों में अन्य बातों के साथ-साथ अप्रचलित कानूनों की समीक्षा/निरसन, गरीबों को प्रभावित करने वाले कानूनों की जांच करना और सामाजिक-आर्थिक विधानों के लिये पोस्ट-ऑडिट करना, न्यायिक प्रशासन की प्रणाली की समीक्षा करना शामिल है।
- इसका कार्य कुछ निर्धारित संदर्भ के साथ कानून के क्षेत्र में अनुसंधान करना है।
- आयोग अपने संदर्भ शर्तों के अनुसार सरकार को (रिपोर्ट के रूप में) सिफारिशें करता है।

- विधि आयोग ने अभी तक 277 रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं।
- प्रथम स्वतंत्रता-पूर्व विधि आयोग की स्थापना 1834 में भारत में ब्रिटिश सरकार द्वारा की गई थी।
- यह 1833 के चार्टर अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था, इसकी अध्यक्षता लॉर्ड मैकाले ने की थी।
- स्वतंत्र भारत का पहला विधि आयोग वर्ष 1955 में स्थापित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता एम. सी. सीतलवाड़ ने की थी।

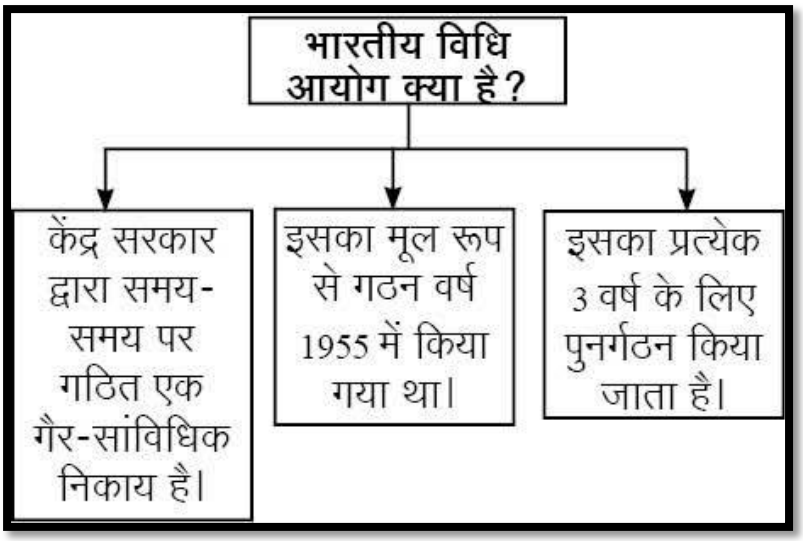

- भारत की आजादी के बाद से अब तक 22 विधि आयोग गठित हो चुके हैं, वर्तमान विधि आयोग (22 वां) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रितु राज अवस्थी हैं।
- उन कानूनों की पहचान करना जिनकी वर्तमान में आवश्यकता या प्रासंगिकता नहीं है और जिन्हें तुरंत निरस्त किया जा सकता है।समान नागरिक संहिता की मांग पर विचार करना।
- राज्य के नीति निदेशक तत्वों के आलोक में मौजूदा कानूनों की जांच करना और सुधार के तरीकों का सुझाव देना।
- ऐसे कानूनों का भी सुझाव देना जो निदेशक सिद्धांतों को लागू करने के लिये आवश्यक हो सकते हैं।
- संविधान की प्रस्तावना में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने के आवश्यक कानूनों पर सुझाव देना।
- सामान्य महत्व के केंद्रीय अधिनियमों को संशोधित करने का सुझाव देना, जिससे उन्हें सरल बनाया जा सके और उनमे व्याप्त विसंगतियों, अस्पष्टताओं व असमानताओं को दूर किया जा सके।
- प्रक्रियाओं में देरी को समाप्त करने, मामलों को तेजी से निपटाने, अभियोग की लागत कम करने के लिये न्याय प्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से अध्ययन तथा अनुसंधान करना।
- विधि आयोग में एक पूर्णकालिक अध्यक्ष, एक सदस्य-सचिव सहित चार पूर्णकालिक सदस्य होते हैं।
- सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आयोग के अध्यक्ष होंगे।
- कानून और विधायी सचिव(कानून मंत्रालय), विधि आयोग का पदेन सदस्य होता है।
- अंशकालिक सदस्यों की संख्या पाँच से अधिक नहीं।

संयुक्त राष्ट्र (UN) की नई रिपोर्ट "मातृ मृत्यु दर प्रवृत्ति (Trends in Maternal Mortality)"

समाचार पत्रों में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र संघ ने गुरुवार को एक रिपोर्ट पेश की है जिसमें कई चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 20 वर्षों में मातृ मृत्यु दर में एक तिहाई की गिरावट के बावजूद गर्भावस्था के दौरान होने वाली परेशानियों से हर दो मिनट में एक महिला की मौत हो जाती है।

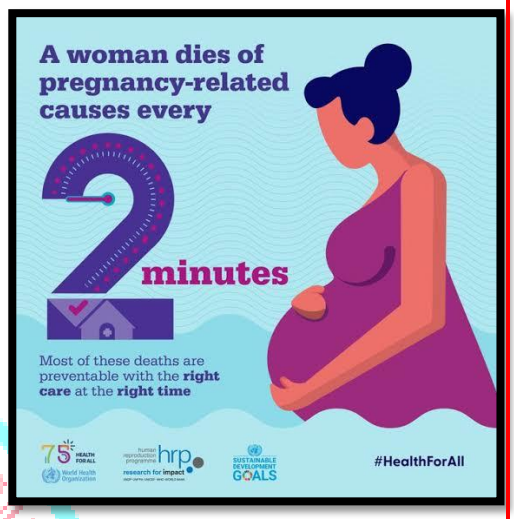

त्वरित मुद्दा?

- संयुक्त राष्ट्र ने रिपोर्ट में बताया कि महिलाओं की मौत के मामलों में साल 2000 से 2015 के बीच जबरदस्त गिरावट आई है। 2016 से लेकर 2020 के बीच मृत्यु दर का आंकड़ा स्थिर रहा। वहीं कुछ जगहों पर इस दौरान मृत्यु दर का आंकड़ा बढ़ा भी है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- वर्ष 2020 में जब संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्य (SDG) लागू हुए थे उस समय विश्व भर में अनुमानतः 287,000 मातृ मृत्यु की घटनाएँ देखी गईं, जो वर्ष 2016 के 309,000 से थोड़ी कम हैं।
- वर्ष 2020 में कुल मातृ मृत्यु की लगभग 70% घटनाएँ उप-सहारा अफ्रीका में देखी गईं।
- उच्च या अति उच्च MMR वाले विश्व के शीर्ष तीन उप-क्षेत्र उप-सहारा अफ्रीका में पाए गए।
- यह पश्चिमी अफ्रीका में 754 मध्य अफ्रीका में 539 और पूर्वी अफ्रीका में 351 देखी गई।
- देश के स्तर पर दक्षिण सूडान (1,223), चाड (1,063) और नाइजीरिया (1,047) में एक समान प्रवृत्ति देखी गई, जिसमें बहुत अधिक यानी 1,000 से अधिक MMR दर्ज किया गया।
- वर्ष 2020 में लगभग 82,000 मातृ मृत्यु के आँकड़े के साथ नाइजीरिया में महामारी वर्ष में कुल अनुमानित वैश्विक मातृ मृत्यु की लगभग एक-चौथाई (28.5%) घटनाएँ देखी गईं।
- वर्ष 2000 से 2020 तक उप-सहारा अफ्रीका, उत्तरी अफ्रीका, ओशिनिया (ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड को छोड़कर) तथा पश्चिमी एशिया, पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी एशिया में MMR में गिरावट की स्थिति स्थिर रही।

अन्य प्रमुख तथ्य?

भारत के संदर्भ में

- भारत वर्ष 2020 में 24,000 के आँकड़े के साथ मातृ मृत्यु दर के मामले में नाइजीरिया के बाद दूसरे स्थान पर था।
- हालाँकि वर्ष 2000 से 2020 के बीच भारत में MMR में कुल मिलाकर 73.5% की कमी आई है।
- वर्ष 2020 में भारत का MMR 103 पर था, 20वीं सदी के अंत में भारत 384वें स्थान पर था।
- तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अर्जेंटीना (वर्ष 2020 में MMR 45), भूटान (60), ब्राज़ील (72), किर्गिज़स्तान (50) और फिलीपींस (78) जैसे विकासशील देशों ने भारत से बेहतर प्रदर्शन किया है।

- मातृ मृत्यु के प्रमुख कारण गंभीर रक्तस्राव, उच्च रक्तचाप, गर्भावस्था से संबंधित संक्रमण, असुरक्षित गर्भपात की वजह से जटिलताएँ तथा अंतर्निहित स्थितियाँ हैं, जो गर्भावस्था (जैसे HIV/एड्स और मलेरिया) में क्षति पहुँचा सकती हैं।
- विश्व स्तर पर 1,878 HIV से संबंधित अप्रत्यक्ष मातृ मृत्यु की घटनाएँ दर्ज की गईं, जिनमें से 1,738 (लगभग 92.5%) उप-सहारा अफ्रीका में हुई।

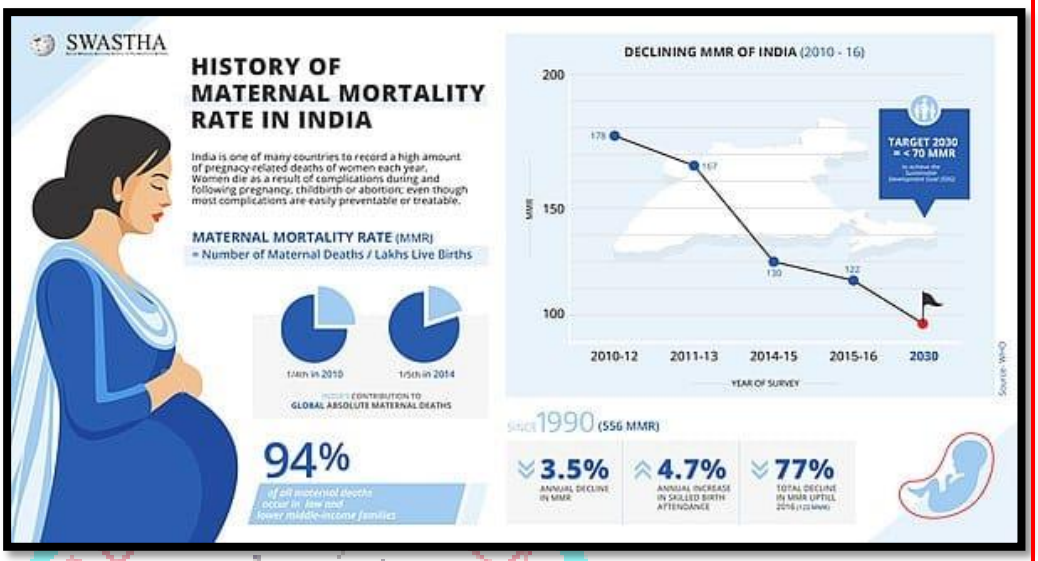

- मोटे तौर पर एक-तिहाई महिलाएँ अनुशंसित आठ प्रसवपूर्व जाँचों में से चार भी नहीं करा पाती हैं या फिर उन्हें आवश्यक प्रसवोत्तर देखभाल की सुविधा प्राप्त नहीं होती है। साथ ही लगभग 270 मिलियन महिलाओं की आधुनिक परिवार नियोजन विधियों तक पहुँच नहीं है।
- जोखिम: -आय, शिक्षा, नस्ल अथवा जातीयता से संबंधित असमानताएँ आवश्यक मातृत्त्व देखभाल तक सीमित पहुँच के साथ निम्नावस्था में रहने वाली गर्भवती महिलाओं के लिये जोखिम को और बढ़ा देती हैं, इनमें गर्भावस्था में अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करने की सबसे अधिक संभावना है।

न्यूज फटाफट (चर्चित स्थल)

बुर्किना फासो (राजधानी: औगाडौगू)

- बुर्किना फासो ने देश में फ्रांस के नेतृत्व वाले अभियानों को समाप्त करने की घोषणा की है। यहां फ्रांस के नेतृत्व में लड़ाका समूहों के खिलाफ अभियान संचालित किया जा रहा था।
- **राजनीतिक सीमाएं:**
  - यह पश्चिमी अफ्रीका का एक भू- आबद्ध देश है।
- यह उत्तर और पश्चिम में माली, उत्तर-पूर्व में नाइजर, दक्षिण - पूर्व में बेनिन, कोटे डी आइवर व घाना तथा दक्षिण में टोगो के साथ सीमा साझा करता है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **भू-भाग**: यह एक विस्तृत पठार पर स्थित है। सवाना घासभूमि यहां की भौगोलिक विशेषता है।
  - **सबसे ऊँचा पर्वत**: माउंट टेनाकौरौ।
  - **प्रमुख नदियां :** ब्लैक वोल्टा, रेड वोल्टा और व्हाइट वोल्टा। ये सभी घाना में मिलकर वोल्टा नदी बनाती हैं।

लीबिया (राजधानी: त्रिपोली)

- संयुक्त राष्ट्र ने लीबिया के निकट हुई जहाज दुर्घटना में 73 प्रवासियों की मृत्यु की संभावना व्यक्त की है।
- **राजनीतिक सीमाएं:**
  - यह उत्तरी अफ्रीका में स्थित है।
  - यह उत्तर में भूमध्य सागर, पूर्व में मिस्र, दक्षिण-पूर्व में सूडान, दक्षिण में नाइजर और चाड तथा पश्चिम में ट्यूनीशिया एवं अल्जीरिया से घिरा हुआ है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - इसके उत्तर-पश्चिम में नफसाह पठार और अल- जिफारह (जिफारा) मैदान स्थित है
  - इसके उत्तर-पूर्व में अख्दर पर्वत (ग्रीन माउंटेन) अवस्थित है।
  - इसके अधिकतर भाग पर सहारा का पठार मौजूद है।
  - लीबिया में कोई बारहमासी नदी नहीं हैं। यहां उच्च क्षेत्रों में कई सूखी वादी (मौसमी जलधाराएं) हैं, जो वर्षा के दौरान आई आकस्मिक बाढ़ के जल से भर जाती हैं।
  - **उच्चतम बिंदु**: बिक्कू बिट्टी

म्यांमार (राजधानी: नाएप्यीडॉ)

- भारत और म्यांमार ने एक आभासी बैठक में सीमा से संबंधित मुद्दों, कनेक्टिविटी परियोजनाओं आदि पर चर्चा की है।
- म्यांमार मुख्य भूमि दक्षिण पूर्व एशिया के पश्चिमी भाग में स्थित है। यह मलय प्रायद्वीप के दक्षिणी किनारे पर अवस्थित है।
- **राजनीतिक सीमाएं:**
  - यह चीन, लाओस, थाईलैंड, बांग्लादेश और भारत के साथ अपनी सीमा साझा करता है।
  - पटकाई रेंज, नागा हिल्स और चिन हिल्स भारत तथा म्यांमार के बीच की सीमा बनाते हैं।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **सबसे ऊंची चोटी :** माउंट खाकाबो।
  - **प्रमुख नदियां :** इरावदी व सालवीन (थान्लविन)।

न्यूज फटाफट (सुर्खियाँ)

खजुराहो स्मारकों का समूह

- पैरेट लेडी को खजुराहो के संग्रहालय में स्थापित किया गया है। यह प्रतिमा कनाडा ने 2015 में भारत को लौटा दी थी।
  - यह 12वीं शताब्दी की एक प्रतिमा है, जो मध्य प्रदेश के खजुराहो शहर से संबंधित है। खजुराहो अपने कामुक कला से संबंधित मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है।
- **खजुराहो स्मारकों का समूह:**

- यह स्थल यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। यहां मूल रूप से हिंदू और जैन मंदिरों का एक समूह था। अब यहां केवल 20 मंदिर ही बचे हैं।
- ये मंदिर नागर शैली में निर्मित हैं। खजुराहो के मंदिरों का निर्माण चंदेल वंश के शासकों ने कराया था। इस वंश का शासन 950 और 1050 ईस्वी के बीच अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच गया था।
- मंदिर समूह स्थापत्य कला और मूर्तिकला के बीच एक उत्तम संतुलन स्थापित करते हैं।

मोहिनीअट्टम

- प्रसिद्ध मोहिनीअट्टम नृत्यांगना कनक रेले का निधन हो गया है।
- मोहिनीअट्टम केरल का शास्त्रीय नृत्य है।
- इसे महिलाओं द्वारा भगवान विष्णु के सम्मान में मोहिनी अवतार धारण करके किया जाता है।
- यह एक एकल नृत्य शैली है। इसे परंपरागत रूप से महिला कलाकार संपन्न करती हैं। यह नृत्य और गायन के माध्यम से एक नाटक का भाव प्रस्तुत करता है।
  - **प्रयुक्त वाद्य यंत्र:** मद्दलम, मृदंगम, वीणा, कुझीतालम या झांझ, एडक्का आदि।
  - इसका आरंभिक उल्लेख ऋषि भरत मुनि के ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' में मिलता है।
  - **भारत के 8 शास्त्रीय नृत्य हैं:** भरतनाट्यम, कथक, कथकली, कुचिपुड़ी, ओडिसी, सत्रिया, मोहिनीअट्टम और मणिपुरी।

संयुक्त राष्ट्र सामाजिक विकास आयोग (CSocD)

- भारत को संयुक्त राष्ट्र CSocD के 62वें सत्र का अध्यक्ष चुना गया है।
- CSocD को 1946 में स्थापित किया गया था। यह आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) के 9 कार्यात्मक आयोगों में से एक है।
  - यह ECOSOC को सामान्य प्रकृति की सामाजिक नीतियों पर सलाह देता है। मुख्य रूप से यह विशेष अंतर-सरकारी एजेंसियों द्वारा कवर नहीं किए गए सामाजिक क्षेत्र के सभी मामलों पर सलाह देता है।
  - इसमें 46 सदस्य होते हैं। ये चार साल की अवधि के लिए चुने जाते हैं। इनका चयन ECOSOC समान भौगोलिक वितरण के आधार पर करती है।
  - ECOSOC संयुक्त राष्ट्र के 6 प्रमुख अंगों में से एक है। इसे 1945 में स्थापित किया गया था।

चंद्रयान- 3

- चंद्रयान-3 लँडर ने महत्वपूर्ण इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंटरफेरेंस / इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक कम्पैटिबिलिटी (EMI-EMC) परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।
  - EMI-EMC परीक्षण, उपग्रह मिशनों के लिए संचालित किया जाता है। इसे अंतरिक्ष परिवेश में उपग्रह उप-प्रणालियों की कार्यक्षमता सुनिश्चित करने तथा अपेक्षित विद्युत चुम्बकीय स्तरों पर इनकी अनुकूलता की जांच के लिए आयोजित किया जाता है।

- चंद्रयान-3 चंद्रयान-2 का अनुवर्ती मिशन है। इसका प्राथमिक उद्देश्य 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उच्च - भूमि पर एक लँडर और रोवर को उतारना है।
  - इसके तीन प्रमुख मॉड्यूल हैं। इनके नाम प्रोपल्शन मॉड्यूल, लैंडर मॉड्यूल और रोवर हैं।
  - इसे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से भू-तुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (GSLV) Mk III द्वारा लॉन्च किया जाएगा।

KAUTILYA ACADEMY INDORE